Proposal for

Add-On Certificate Course in

मीडिया, न्यू मीडिया, फिल्म और थियेटर में हिंदी सामग्री लेखन

Hindi Content Writing in Media, New Media, Film & Theatre

हिंदी भाषा में सामग्री लेखन के द्वारा रोजगार के अवसर (करियर)

प्रस्तुतकर्त्ता

डॉ. राखी उपाध्याय

प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

हिंदी विभाग,

डी.ए.वी. (पी.जी.) कॉलेज, देहरादून

पाठ्यक्रम परिचय

किसी व्यक्ति विशेष द्वारा किसी विषय पर अपने ज्ञान के आधार पर किया गया नया वर्णन जिसमें उसके स्वयं के विचार होते हैं और देखने में एक नई रचना के उत्पन्न होने का भाव होता है। रचनात्मक लेखन को ही सृजनात्मक लेखन भी कहा जाता है। सृजनात्मक लेखन के अन्तर्गत सामग्री लेखन बहुत ही महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है।

सामग्री लेखन (कटेन्ट राइटिंग) का अर्थ होता है लेखन द्वारा किसी भी विषय से संबंधित आवश्यक जानकारी देना है। कंटेन्ट राइटिंग के विभिन्न प्रकार ब्लाग, पोडकास्ट, फिल्म, थिएटर, यूट्यूब, फेसबुक, रील्स, इन्टाग्राम, ट्यूटर, अखबार या पुस्तकों के लिए आलेख लिखना आदि हैं। सामग्री लेखन वेबसाइट और सोशल मीडिया के माध्यम से पाठकों तक पहुँचती है। सामग्री लेखन के द्वारा विद्यार्थी किसी भी महत्त्वपूर्ण विषय पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए अपनी रचनात्मकता का उचित प्रयोग कर सकते हैं।

यह हिंदी विषय के अन्तर्गत सामग्री लेखन में तीन माह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम है जिसके केन्द्र में हिंदी भाषा में लेखन के द्वारा व्यवसायिक तथा साहित्यिक कौशल का विकास किया जाना है। इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी अध्ययन के साथ–साथ अपना व्यवसाय भी आरंभ कर सकता है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में लेखन कौशल विकसित करता है तथा उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में पारंगत करता है। आज सोशल मीडिया, इलैक्ट्रानिक मीडिया के दौर में कन्टेंट राइटिंग (सामग्री लेखन) एक विशेष कौशल के रूप में ऊभरी है। अखबार, फेसबुक, ब्लाग्स, वेबसाइट, फिल्म, थियेटर, रेडियो, टेलिविजन, विज्ञापन आदि सभी क्षेत्रों में एक अच्छी सामग्री लेखन (कन्टेंट राइटिंग) की आवश्यकता होती है। मल्टी नेशनल कम्पनियों के भारत में व्यवसाय आरंभ करने के साथ ही विदेशी कम्पनियों को भारत की जनता के साथ सम्पर्क करना आवश्यक हाता है। किसी भी कम्पनी की सफलता आम जनता के सम्पर्क में आने से होती है। ये तभी संभव हो सकता है जब कम्पनी ऐसी भाषा का प्रयोग करे जो आसानी से समझ में आ सके। ईमेल, ऑनलाइन चैट वार्तालाप, फैक्स या वेबसाइट, अपडेट इन सभी के लिए उत्कृष्ट लेखन कौशल की आवश्यकता होती है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों की रचनाधर्मिता को अवसर प्रदान करेगा, जिससे वह व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से रोजगार के लिये प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। एक सामग्री लेखक पेशेवर होता है जो सूचनात्मक और आकर्षक लेख लिखता है। सामग्री लेखन केवल साहित्य तक ही सीमित नहीं है यह व्यापार, बैंक, उद्योग, फिल्म, थियेटर, दृश्य–श्रृव्य माध्यम, इलैक्ट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया, डिजिटल मार्कटिंग आदि तक व्यापक रूप से विस्तृत है।

उद्देश्य

- छात्रों में अपने विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का विकास करना
- लिखित अभिव्यक्ति को विकसित करना
- ज्ञान का परीक्षण करना
- लोगों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करना
- रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना
- छात्रों के ज्ञान, रचनात्मकता और कल्पना को विकसित करना
- छात्रों की भाषा को समृद्ध और विस्तृत करना।

वास्तविक अधिगम उपलब्धि (Real learning outcomes) -

- इस पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पश्चात् छात्र लेखन अभिव्यक्ति और 'आत्म मूल्यांकन' कर सकेगा।
- विचारों को शब्दों में अभिव्यक्त करने की कला में निपुण होगा।
- छात्रों को व्यक्तिगत स्तर पर अपने लेखन कौशल में सुधार मिलेगा।
- छात्रों में व्यवसायभिमुख कौशल विकसित करेगा
- छात्रों को रोजगार के अवसरों से परिचित एवं प्रेरित करेगा।
- छात्रों को लेखन एवं संवाद लेखन द्वारा भावों एवं विचारों की अभिव्यक्ति में सक्षम बनायेगा।
- छात्रों को सोशल मीडिया में हिंदी के प्रचार–प्रसार और प्रयोग से परिचित करेगा।
- मीडिया, न्यू मीडिया, फिल्म तथा थियेटर में सामग्री लेखन के द्वारा रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।
- यह पाठ्यक्रम छात्रों में अतिरिक्त कौशल क्षमता का विकास करेगा।
- यह पाठ्यक्रम नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रम है जो लघु व्यवसाय को विकसित करता है। यह पाठ्यक्रम प्रत्येक व्यवसायी के लिये एक स्टार्ट–अप के तौर पर कार्य करेगा।
- विद्यार्थी देश–विदेश में डिजीटल माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रूचि जाग्रत करेगी। हिंदी की उपयोगिता मीडिया, फिल्म, उद्योग, बैंक आदि क्षेत्रों में लगातार बढ़ रही है।

- हिंदी में सामग्री लेखन पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी भाषा में प्रवीण होने के साथ–साथ हिंदी पत्रकारिता, रेडियोजॉकी, हिंदी अध्यापन, राजभाषा हिंदी अधिकारी, हिंदी अनुवाद/द्विभाषी, समाचार वाचक आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

योग्यता –	डी.ए.वी. (पी.जी.) कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थी (इन्टरमीडिएट (10+2))
सीट –	50 (किसी भी संकाय के छात्र/छात्राऐं)
समय –	30 घण्टे, क्रेडिट संख्या– 3
शुल्क –	500 रू0
परीक्षा का माध्यम –	बहुविकल्पीय प्रश्न/पाठ्यक्रम समाप्ति के पश्चात्/PPT प्रस्तुतीकरण/प्रयोगात्मक कार्य
भाषा –	हिन्दी
कक्षा संचालन का माध्यम –	ऑफलाइन (Class Room Teaching)
अधिकतम उपस्थिति –	75 प्रतिशत
प्रमाण-पत्र	Grade – A+ (75% से अधिक) Grade – A (60% से अधिक) Grade – B (50% से अधिक)

पाठ्यक्रम निर्धारण (यह पाठ्यक्रम तीन इकाईयों में विभाजित है)

इकाई-१ (07 घंटे)

1. हिन्दी में सामग्री लेखन क्या है? (Content Writing meaning in Hindi)
2. सामग्री लेखक कौन होता है? (Who is content writer)
3. सामग्री लेखन का महत्त्व। (Importance of content writing)

इकाई-२ (08 घंटे)

2. सामग्री लेखन के प्रकार। (Types of Content writing)

2.1 नियमित सामग्री लेखन। (Regularly content writing)

2.2 फ्रिलान्स सामग्री लेखन। (Freelance content writing)

2.3 ऑनलाइन सामग्री लेखन। (Online Content writing)

2.4 ऑफलाइन सामग्री लेखन। (Offline Content writing)

इकाई-३ (15 घंटे)

3. सामग्री लेखन को रोजगार कैसे बनाएं। (How to make content writing a career)

3.1 सामग्री लेखन से सम्बन्धित रोजगार। (Content writing jobs)

3.1.1 न्यूज़ चैनल के माध्यम से। (Through News Channel)

3.1.2 वेबसाइट के माध्यम से। (Through Web sites)

3.1.3 फ्रीलान्स वेबसाइट के माध्यम से। (Through Freelance Websites)

3.1.4 जॉब सर्च एप्लीकेशन के द्वारा। (Though jobs search apps)

3.1.5 फेसबुक के माध्यम से। (Through facebook group)

3.1.6 फिल्म, थियेटर और नाटक के लिए स्क्रीनप्ले लेखन के माध्यम से। (Through screen play for cinema, theater and play)

3.1.7 प्रिन्ट मीडिया के माध्यम से। (Through Print Media)

3.1.8 ऑडियो, वीडियो और टैक्ट कन्टेंट के माध्यम से। (Through Audio, Video and Text Content)

3.1.9 अच्छा सामग्री लेखक बनने के लिए सुझाव। (Tips to become a good content writer)

3.1.10 उत्तम सामग्री लेखन पाठ्यक्रम। (Best Content writing courses)

पाठ्यक्रम संयोजक – **डॉ. राखी उपाध्याय**
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग

संकाय अध्यक्ष – **डॉ. पुष्पा खण्डूरी, प्रोफेसर**

संकाय सदस्य – **(1) डॉ. निशा वालिया, एसोसिएट प्रोफेसर**
(2) श्री रोशन प्रसाद, असिस्टेंट प्रोफेसर